

भारतीय गैर न्यायिक



INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

75AD 005697

यह जनरल स्टाम्प पत्र उत्तर प्रदेश लखनऊ हाई स्कूल सिकंदर
जिला मथुरा पत्रावली सं० AL-4223

इस पत्र के साथ प्रतिलिपि के साथ संलग्न है।



Paper
सहायक निदेशक
उच्च माध्यमिक एवं विद्यालय
इलाहाबाद
25/1/19

= 33 नियमावली :-

- § 1 § संस्था का नाम एम.एस. कान्फेन्ट हाईस्कूल समिति ।
- § 2 § संस्था का पता 35/1 शिवोनी नगर नैनी शलाबाबाद § 20900
- § 3 § संस्था का काफ़ीस सम्पूर्ण उत्तरप्रदेश का कार्य क्षेत्र होगा। काफ़ीस आवश्यकतानुसार बढ़ाया व कटाया जा सकेगा।

§ 4 § संस्था की सदस्यता एवं प्रत्येक प्रकार की सदस्यता हेतु प्रबंधक/मंत्री सदस्यों का वर्ग के नाम से आवेदन पत्र देना अनिवार्य होगा । प्रबंधक/मंत्री की संस्तुति के उपरान्त ही प्रबंधक समिति के 2/3 बहुमत से सदस्यता प्रदान की जा सकेगी। बिना प्रबंधक/मंत्री की संस्तुति के प्रस्ताव पर विचार करने के लिये साधारणसभा व प्रबंधक समिति अधिवृत्त न होगी। संस्था में निम्न प्रकार के सदस्य होंगे :-

§ 1 § संस्थापक सदस्य जिन्हें व्यक्तियों के द्वारा इस संस्था की स्थापना की जा रही है वे इस संस्था के संस्थापक सदस्य होंगे। प्रत्येक संस्थापक सदस्य को अपना नाम संस्थापक सदस्य के रूप में दर्ज कराने के लिये 100.00 रु. संस्था को दान देना अनिवार्य होगा।

§ 2 § बाजीवन सदस्य संस्थापक सदस्यों के अतिरिक्त जो व्यक्तित्व इस संस्था को 5000.00 रु. नगद या चल बचल सम्पत्ति के रूप में दान देगे वे इसी बाजीवन सदस्य होंगे।

§ 3 § सामान्य सदस्य प्रत्येक वह व्यक्तित्व जो संस्था को 10.00 रु. प्रवेश शुल्क व 2.00 रु. मासिक चन्दा देना सामान्य सदस्य माना जायेगा।

§ 5 § सदस्यता की समाप्ति निम्न परिस्थितियों में संस्था की सदस्यता समाप्त कर दी जायेगी।

1 § मृत्यु हो जाने पर

सत्य प्रतिलिपि

2 § मानव बौद्धि या दिव्यशक्ति ही जाने पर

3 § न्यायालय द्वारा किसी बनेतिक कार्य में दंडित करने पर



Pappu
 सहायक निबंधक
 सोसाइटीज एवं चिट्ठे
 शलाबाबाद
 25/11/19

4] मासिक सदस्यता शुल्क निर्धारित मास के 95 दिन बाद तक न देने पर

5] जिना पूर्व सूचना के लक्ष्यकार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने पर

6] न्यायपत्र की अधिस्थापित प्रस्ताव 2/3 बहुमत से स्वीकार की जाने पर

7] संस्था क्षेत्रीयी कार्य करने पर या जिससे संस्था की मर्यादा भंग होती है।

सदस्यता समाप्त का निर्णय बहुमत से लिया जाएगा

§6] संस्था के क्षेत्रः

अ- साधारण क्षेत्र

ब- प्रकथ कारिबी समिति

§7] साधारण क्षेत्रः

अ- मज 33 मी प्रकार के सदस्योंको मिलाकर साधारण क्षेत्र होगी।

ब- क्षेत्रः 33 सामान्य विधेय- साधारणक्षेत्र की सामान्य बैठकी साल में एक बार होना अनिवार्य होगा विधेय काव्यपक्षानुसार सभी भी प्रकथ/सूत्री द्वारा अध्यादेश अनुमोदन पर अध्या 2/3 सदस्यों की लिखित मति पर हुतायी लगेगी।

स- सूचना-बिधि- साधारण क्षेत्र की सामान्य बैठकी की सूचनाएं कम से कम

15 दिन पूर्व व विधेय की 24 घंटे पूर्व देना अनिवार्य होगा

द- मज पूर्ति - कुल सदस्योंकी 2/3 अनुपस्थिति मजपूर्ति मानी जायेगी कोरम काव्य मे बैठक स्थगित कर दी जायेगी स्थगित कठक से पुनः काव्य पर कोरम का कोई पत्रिकथ नहीं रहेगा विधेय व परेकठा प्रकथ की रद्देस्थगित बैठकी में किसी नये प्रस्ताव पर विचार नहीं होगा।

सत्य प्रतिनिधि

घ- विधेय काव्य अधिस्थापित की लिखित वादि - संस्था प्रतिचर सत्र की समाप्त

पर अपना विधेय काव्य अधिस्थापित का वाच्यन करेगी जिसकी



saaps
सहायक निबंधक
कुर्ना सोसाइटीज एवं बिद्द
इलाहाबाद
25/1/19

१- प्रथम वार्षिक वित्तीय विवरण - संस्था प्रवर्तकों द्वारा की समीक्षा पर
 अपना वित्त वार्षिक वित्तीय विवरण का आयोजन करनी जिसकी तिथि
 प्रमुख समिति अपने अनुसूचि में तय करनी जिससे संस्था के वर्ष भर के
 विषय कार्यों की समीक्षा की जायेगी।

२- साधारण सभा के बतवश-

- 1- प्रमुख वारिणी समिति के कार्यों पर निर्देशों करना।
- 2- संस्था की प्रमुख समिति का निर्वाचन करना।
- 3- संस्था के निधियों एवं धनियों में संशोधन परिवर्तन न स्वीकार
करेगा।
- 4- वार्षिक बजट एवं वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुतित करना एवं उसे
अनुमोदित करना।
- 5- अ-व नियम उपनिषद बनाना।
- 6- संस्था के विज्ञापनों पर समीक्षा प्रस्ताव करना।

14] प्रथम वारिणी समिति-

14] प्रथम वारिणी समिति का गठन - संस्था के प्रथम वारिणी समिति में कम से कम
 नौ तथा अधिक से अधिक सदस्य हो सकते हैं जिसमें अध्यक्ष तथा
 अधिकारी भी सम्मिलित होंगे।

15] प्रथम वारिणी समिति की बैठक - जब प्रमुख वारिणी समिति की बैठक आवश्यक हो
 समझी जायेगी तो 24 घंटे में बुलाई जा सकती है। ऐसे 3 माह में
 बैठक बुलाई जायेगी।

16] प्रथम वारिणी समिति की बैठक की सूचना विधि- बैठक की सूचना 7
 दी जायेगी।

17] प्रथम वारिणी समिति की गण पूर्ति - **सत्य पत्रिका**

- 1- बैठक की गणपूर्ति 5 सदस्यों से होगी
- 2- 3 सदस्यों की एक उपसमिति कायी जायेगी जो प्रथम वारिणी
 आदेशों द्वारा होगी, किसी विशेष कार्य तथा उपयोग के लिये।
- 3- प्रमुख वारिणी सदस्यता रिक्त होने के कारण समिति को अधिकार होगा
 की वे उस रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु आयोजन अधियों में से किसी सदस्य
 को उस पद के लिये मनोनीत कर दे परन्तु उसकी स्वीकृति प्रथम वारिणी
 ही करेगी।



Passes
 महाप्रबन्धक
 राज्य बैंक ऑफ इंडिया एवं विदेश
 शाखा प्रबन्धक
 25/2/19

4. प्रबंध कारिणी समिति के कर्तव्य-

1- संस्था के कार्यक्रम अचलान करना

2- संस्था का वार्षिक बजट प्रस्तावित करना।

प्रबंध कारिणी समिति का कार्यकाल- तीन वर्ष का होगा। कार्यकाल

5 माह की अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

प्रबंध कारिणी समिति के वदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य - प्रबंध कारिणी

समिति के निम्नलिखित पदाधिकारी गण होंगे।

1- अध्यक्ष 2- उपाध्यक्ष 3- प्रबंधक/मंत्री 4- उपप्रबंधक

5- कोषाध्यक्ष 6- निरीक्षक 7- मुख्य सहायक

8- सहायक [2] 9- सदस्य

1- अध्यक्ष- संस्था का अध्यक्ष संस्थान का सर्वोच्च पदाधिकारी होगा। समस्त

प्रकार की बैठकी की दिनांशों का अनुमोदन करना, स्वीकृत करना या उनके निरस्त करना, उसके अधिकार में होगा।

2- उपाध्यक्ष- अध्यक्ष की अनुपस्थिति पर उपाध्यक्ष को अध्यक्ष का पूर्ण अधिकार होगा।

3- प्रबंधक/मंत्री- समिति की योजनाएं या अधिकार प्रबंधक/मंत्री को होगा।

सब कार्य के लिये अध्यक्ष की अनुमति लेना वक्ति आवश्यक है। कार्य का बुरा अधिकार संस्था के प्रबंधक/मंत्री के अधिकार में होगा तथा वापस करके

संस्था संस्था सम्बन्धी पत्र व्यवहार की जिम्मेदारी उन्हे उत्तर होगी।

4- उपप्रबंधक- प्रबंधक/मंत्री की अनुपस्थिति पर उप प्रबंधक को प्रबंधक/मंत्री का पूर्ण अधिकार प्राप्त होगा।

5- कोषाध्यक्ष- कोषाध्यक्ष को संस्था की वापस का विचार होगा। इनके सुरक्षित रखने को पूर्व रूप से जिम्मेदारी होगी।

वेदु नियुक्त आडिटर को समस्त प्रपत्र उपलब्ध करायेगा। **सत्य पतिलिपि**

6- निरीक्षक - निरीक्षक संस्था के वापस का निरीक्षण करेगा और प्रतिवर्ष के अन्त में वापस की रिपोर्ट संस्था के प्रबंध कारिणी समिति को अनिवार्य रूप से देना होगा।

7- मुख्य सहायक- मुख्य सहायक सहायकों से मिल कर संस्था की योजनाओं को लागू करने में सहायता देगा। सहायकों को प्रबंधक के उच्च निरीक्षण देना है।



Handwritten signature and date: 20/11/19

13] ... के नियमों व विनियमों में संशोधन प्रस्ताव - साधारण सदन के 2/3 बहुमत से संसद संस्था के नियमों व विनियमों में संशोधन परिवर्तन स्वीकार हो सके।

14] संसद द्वारा अर्थात् उसके विस्तृत समस्त अदाएली कार्यवाहियों का संचालन एवं उत्तरदायित्व- यदि संसद किसी पर मुद्रणमा अदाएली है या संसद पर कोई मुद्रण लागू होता है तो समस्त अदाएली कार्यवाही मुख्य / गवर्नर के नाम पर उसके द्वारा ही जायेगी।

- 15] संसद के अधिकार- 1- सदस्यता रजिस्टर
 2- कार्यवाही रजिस्टर
 3- स्टाम्प रजिस्टर
 4- डेय बुक

16] विधेय - संसद के विधेय वोर विधेय सन्विष्ट है निस्तारण की कार्यवाही सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम की धारा 13 व 14 के अन्तर्गत ही जायेगी।

विधि-
 [Signature]



सत्य प्रतिलिपि

सचिव प्रतिनिधि

[Signature]
 सहायक निदेशक
 कार्यो सोसाइटीज एवं विद्वेष
 25/11/19